एक तिनका

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कवि परिचय :

आयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का जन्म उत्तर प्रदेश के अजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्वे में सन् 1865 में हुआ था । स्कूली शिक्षा समाप्त करके वे सरकारी नौकरी में लग गए । हिन्दी, संस्कृत और फारसी में उन्होंने अच्छा ज्ञान प्राप्त किया था । वे हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में अध्यापक भी रहे ।

हरिऔध जी खड़ीबोली हिन्दी के प्रथम कवियों में हैं । उनकी भाषा सरल, मुहावरेदार और भावगर्भक होती है ।

हरिऔध की प्रमुख रचनाएँ हैं – प्रिय प्रवास, वैदेही वनवास, कर्मवीर, रसकलश, चोखे चौपदे, चुभते चौपदे, आदि ।

यह कविता :

यह एक छोटी सी कविता है पर है बड़े काम की । छोटी छोटी चीजें ही हमारे जीवन को एकदम बदल देती हैं । मनुष्य को अपने पर बड़ा गर्व होता है । कवि कहते हैं वे एक दिन घमण्ड में भरकर एकदम ऐंठे हुए से तन कर छत के मुँडेर पर खड़े थे । ऐसे में कहीं दूर से एक छोटा-सा तिनका आकर उनकी आँखों में गिरा ।

कवि झुंझलाकर परेशान हेा उठे । आँख जल रही थी और लाल होकर दुखने भी लगी । लेखक की ऐसी हालत देखकर लोग कपड़े की मुँठ देकर उनकी आँख को सेकने लगे कि शायद थोड़ा आराम मिल जाए पर नहीं । दर्द किसी तरह कम नहीं हुआ । ऐसे में कवि को ऐंठ (घमण्ड) मानों चुपचाप भाग गई थी । वे तो किसी भी तरह उस पीड़ा से छुटकारा पाना चाहते थे ।

जब किसी तरह आँख से तिनका निकला तो मानो उनका विवेक उन्हें ताना मार रहा था । तू इतना अकड़ क्यों दिखाता है । एक छोटा-सा तिनका ही तेरे अहंकार को तोड़ने में काफी है ।

एक तिनका

मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा ।

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भागी ।

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए ।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

शब्दार्थ :

तिनका – सूखी घास । घमंड – गर्व, अहंकार । ऐंठ – जिद्द, अकड़ । मुंडेरे – दीवाल का सबसे ऊपरी भाग जो छत के ऊपर रहता है । अचानक – सहसा । झिझकना – हिचकिचाना । बेचैन – व्याकुल, बेकल । मूँठ – कपड़े का गुब्बारा जो आँख को सेंकता है । दबे पाँव – चुपचाप । ढब – तरीका, रीति, ढंग । ताना – चिढ़कर कहना ।

प्रश्न और अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो / तीन वाक्यों में दीजिए :

(क) एक दिन कवि को क्या हो गया ?

(ख) आँख में तिनका पड़ने पर घमंड़ी की क्या दशा हुई ?

(ग) आँख में तिनका पड़ने पर लोग क्या करने लगे ?

(घ) किसी तरह आँख से तिनका निकल गया तो कवि को क्या अनुभव हुआ ?

(ङ) एक तिनका कविता का मूल भाव क्या है ?

2. अर्थ स्पष्ट कीजिए :

(क) घमंडो में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।

(ख) मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन -सा ।
लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।

(ग) ऐंठता तू किस लिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए :

(क) एक तिनका कविता के कवि का नाम क्या है ?

(ख) एक दिन कवि कहाँ खड़े थे ?

(ग) अचानक क्या हुआ ?

(घ) कौन दबें पाँप भागी ?

(ङ) घमंडी के घमण्ड को दूर करने के लिए क्या बहुत है ?

भाषा-ज्ञान

1. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए :

जैसे – *एक तिनका आँख में मेरी पड़ा – मेरी आँख में एक तिनका पड़ा ।*

मूँठ देने लोग कपड़े की लगे – लोग कपड़े की मूँठ देने लगे ।

(क) एक दिन जब था मुँडेरे पर खड़ा .....

(ख) लाल होकर आँख भी दुखने लगी .....

(ग) ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भागी .....

(घ) जब किसी ढब से निकल तिनका गया .....

(ङ) एक तिनका है बहुत तेरे लिए .....

2. निम्नलिखित शब्दों के बिलोम / विपरीत शब्द लिखिए :

झिझक, बेचैन, दु:ख, दु:खद, बहुत

3. 'किसी ढब से निकलना' का अर्थ है किसी ढंग से निकलना । 'ढब से' जैसे कई वाक्यांशों से आप परिचित होंगे, जैसे – 'धम से' वाक्यांश है, लेकिन ध्वनियों में समानता होने के बाद भी 'ढब से' और 'धम से' वाक्यांशों के प्रयोग में अंतर है । नीचे कुछ ध्वनि द्वारा क्रिया को सूचित करनेवाले वाक्यांश और कुछ अधूरे वाक्य दिये गये हैं । उचित वाक्यांश चुनकर वाक्यों के खाली स्थान भरिए –

(छपाक से, टपटप, सर्र से, फुरे से)

(क) मेंढक पानी में ——— कूद गया ।

(ख) नल बंद होने पर भी पानी की कुछ बूँदें ——— चू गईं ।

(ग) शोर होते ही चिड़िया ——— उड़ी ।

(घ) मोटर साइकिल ——— गई ।

4. पाठ के आधार पर सही परसर्गों से शून्य स्थानों को भरिए :

(क) घमंडों ——— भरा ऐंठा हुआ ।

(ख) एक तिनका आँख ——— मेरी पड़ा ।

(ग) आ अचानक दूर ——— उड़ता हुआ ।

(घ) जब किसी ढब ——— निकल तिनका गया ।

(ङ) तब 'समझ' ——— यों मुझे ताने दिए ।

■■■